

道端二世相 「辻山」より

二揚

合	下老	四	合	四	上	工	工	四	中	工	七
---	----	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

五	工	五	工	四	工	上	工	工	上	四	上	下老	下老
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----

四	上	下老	乙	合	乙	尺	四	合	四	下老	四	合
---	---	----	---	---	---	---	---	---	---	----	---	---

四	上	工	工	四	中	工	七	五	工	五	工	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

工	上	工	工	上	四	上	下老	四	上	下老	乙
---	---	---	---	---	---	---	----	---	---	----	---

合	乙	尺	四	合	四	下老	四	合	四	上	工	工
---	---	---	---	---	---	----	---	---	---	---	---	---

四	中	工	七	五	工	五	工	四	工	上	工	工
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

上	四	上	下老	下老	四	上	下老	乙	合	乙	尺	四	合
---	---	---	----	----	---	---	----	---	---	---	---	---	---

四	上	下老	乙	合	乙	尺	四	合					
---	---	----	---	---	---	---	---	---	--	--	--	--	--

道端三世相 「辻山」より

二揚

2/2

一、三世相や買うらに 運氣縁談 千客
万来 商売繁盛 元祖事 夢ぬ占え 相性
判断 御竈ぬ塗り替え 火ぬ神うし立てい
日ぬ善し悪し 時ぬ選び 万事易ぬ
占えからさや 三世相や買うらに

二、銭呉ゆる かなし御客ぬ 縁ぬ遠く
なゆる時ねえ 云うに及ばん 御願
不足 易判事 占え買うてい 御願かきて
いうりば 天ぬ御助き 神ぬ引合
し 目ぬ前に現りてい 銭ぬ御客や 中
前に押し掛き 訳事ん聞かんどーや
I 三世相や買うらに 易判事や買うら
に